शाजापुर

नवभारत 04
इंदौर, रविवार, 8 मार्च 2026

महिला दिवस : हर क्षेत्र में प्रतिभा का लोहा मनवा रही नारी...

हर दिन महिला दिवस है : कलेक्टर ऋजु बाफना

शाजापुर। शायद ही कोई ऐसा क्षेत्र होगा जहां पर बालिकाओं, महिलाओं ने अपनी काबिलियत से अपनी प्रतिभा का परचम ना लहराया हो। सामाजिक कार्य हो, व्यवसायिक क्षेत्र हो या प्रशासनिक कामकाज हर कहीं महिलाओं ने भी अपना दबदबे का लोहा मनवाया है। आज 8 मार्च महिला दिवस के अवसर पर नवभारत द्वारा सामाजिक सरोकार को लेकर अपने अपने क्षेत्र में सफल युवतियों एवं महिलाओं के बारे में लेख प्रकाशित किए जा रहे हैं।

कुछ लोगों के लिए महिला दिवस महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष का प्रतीक है। तो कुछ के लिए महिला दिवस प्रमुख प्रतिबद्धताओं को सुदृढ़ करने का दिन है। महिला दिवस किसी एक दिन का मोहताज नहीं है, बल्कि हर दिन ही महिला दिवस है, क्योंकि सशक्त महिलाएं ही दुनिया को सशक्त बनाती हैं। इसलिए आज और हर दिन महिलाओं को सलाम। आज की महिला चौका-चूल्हा और दफ्तर की फाइलों तक ही सीमित नहीं है, वे

सुश्री ऋजु बाफना
कलेक्टर - शाजापुर

आपदा प्रबंधन से लेकर कानून व्यवस्था और प्रशासन तक हर मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं।

मेरा मानना है कि सफलता का कोई जेंडर नहीं होता। आपकी योग्यता और दृढ़ संकल्प ही आपकी असली पहचान है। इस दिन हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि हम एक ऐसे समाज का निर्माण करें, जहां किसी भी बेटी को अपनी उड़ान भरने के लिए किसी की अनुमति की प्रतीक्षा न करना पड़े। क्योंकि जब एक महिला सशक्त होती है, तो वह केवल अपना भविष्य नहीं बदलती, बल्कि पूरे समाज और आने वाली पीढ़ियों की भी दिशा बदल देती है।

सामाजिक सरोकार के केंद्र बिंदु के रूप में उभरी हैं बिंदु ठोमरे

5 हजार से ज्यादा पर्यावरण प्रहरी तैयार करने में रहा योगदान

शाजापुर, 7 मार्च। नि स्वार्थ भाव से सामाजिक सरोकार के काम करने में शहर की समाजसेवी श्रीमती बिंदु ठोमरे का नाम किसी पहचान का मोहताज नहीं है। दरअसल, बिंदु ठोमरे बीते पांच सालों से पर्यावरण सरंक्षण के लिए लगातार कार्य कर रही हैं, ईको फ्रेंडली मिट्टी के गणेश तैयार करवाने का प्रशिक्षण हो या सीड बॉल तैयार करवाकर पौध रोपण, स्वदेशी सामान का प्रचार-प्रसार की बात हो या फिर ईको फ्रेंडली रंग तैयार करने की कला सिखाना, वह अपने इस हुनर से पांच हजार से ज्यादा बच्चों को प्रशिक्षित कर पर्यावरण प्रहरी के रूप में तैयार कर चुकी है, उनका यह काम लगातार जारी है।

शहर के नागनागिनी रोड निवासी बिंदु ठोमरे का एक ग्रुप है, जिसे मिट्टी ग्रुप के नाम से हर कोई जानता है, श्रीमती ठोमरे ने बताया कि वह हमारे ग्रुप का पूरा काम पर्यावरण संरक्षण के ईर्द-गिर्द रहता है।

पांच साल पहले उन्होंने अपने ग्रुप के माध्यम से मिट्टी के गणेशजी की प्रतिमा का निर्माण करने का प्रशिक्षण शुरू किया तथा स्कूल, कॉलेज आदि जगहों पर बच्चों को प्रशिक्षण दिया। पीली मिट्टी और कागज की लुगदी आदि से गणेश प्रतिमा बनाकर उनमें बीज भी डाले जाते हैं, जब गमले या अन्य कहीं जगह उन्हें विसर्जित करते हैं, तो मिट्टी गल जाती है और बीज से पौधे तैयार हो जाते हैं। वहीं होली पर्व पर नीम, मेंहदी, गुलाब आदि सामग्री से हर्बल रंग बनाने का भी वह प्रशिक्षण देती हैं।

निःशुल्क कोचिंग भी पढ़ाती है ठोमरे

सामाजिक कार्यों में हमेंशा अग्रणी रहने वाली श्रीमती ठोमरे बच्चों को निशुल्क कोचिंग भी प्रदान करती है। परीक्षाओं के समय वह बच्चों को पढाई लिखाई संबंधित जिज्ञासाओं को दूर करती है। उनके द्वारा किए जा रहे समाजहित के कार्यों की वजह से आज उनकी समाज में एक अलग पहचान बन चुकी हैं।

सीड बॉल बनाने की तैयारी प्रारंभ...

आगामी वर्षाकाल में पौधारोपण का अभियान भी ग्रुप की तरफ से चलाया जाएगा. इसके लिए बिंदु ठोमरे व उनके द्वारा प्रशिक्षित बच्चे गर्मियों के दिनों में बीज एकत्रित कर रहे हैं. इन बीजों को वर्षाकाल के समय मिट्टी की सीड बॉल बनाकर जहां पौधे कम हैं. वहां पर रोपा जाएगा, जिससे हरियाली में इजाफा होगा. इसी तरह बिंदु ठोमरे व उनके द्वारा द्वारा दीपावली पर्व पर प्राचीन मांडना, रांगोली बनाने का भी प्रशिक्षण दिया जाता है.

बेटियों ने एनएसएस की दैनिक और विशेष गतिविधियों में सक्रियता से किया जिले का नाम रोशन

लक्ष्मी पुष्पद, कौशल्या पुष्पद, हर्षिता पाटीदार एवं पिंकी मेवाड़ा को किया सम्मानित

शाजापुर। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस केवल एक तिथि नहीं, बल्कि उन संघर्षों और सफलताओं के उत्सव का नाम है, जिसे समाज की बेटियाँ अपने हौसलों से लिखती हैं। इसी गौरवशाली परंपरा को जीवंत रखते हुए प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस बीकेएसएन गवर्नमेंट कॉलेज शाजापुर की एनएसएस इकाई द्वारा अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया गया। जहां एनएसएस में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर की उपलब्धि प्राप्त छात्रा वॉलंटियर्स, महाविद्यालय की महिला प्राध्यापक एवं स्टॉफ की महिला कर्मचारियों को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ। एसके तिवारी ने करते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाने का उद्देश्य महिलाओं की आवाज को मजबूत करना, समाज में फैले भेदभाव और रूढ़िवादिता को चुनौती देकर ऐसा बदलाव लाना है जिससे महिलाओं को हर क्षेत्र में बराबरी और सम्मान मिले।

स्वागत भाषण देते हुए रासेयो कार्यक्रम अधिकारी प्रो. प्रकाश बर्फा ने बताया कि इस साल अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस 'गीव टू गैन थीम' पर मनाया जा रहा है, यह थीम इस बात पर जोर देती है कि महिलाओं के उत्थान में योगदान देना पूरे समाज की प्रगति का मार्ग है। जब हम महिलाओं को अवसर, शिक्षा, और संसाधन देते हैं, तो बदले में एक बेहतर और संतुलित समाज प्राप्त होता है, प्रो. मीनू

गिडवानी ने भारत की कुछ महान महिलाओं जैसे रानी लक्ष्मीबाई, ज्योति बाई फुले, कल्पना चावला का उदाहरण देते हुए कहा कि ये महिलाएं हमारे व भावी महिला पीढ़ी के सशक्तिकरण के लिए प्रेरणादायक है। डॉ। वीपी मीणा ने बताया कि हमारी छात्राओं ने सिद्ध किया कि एनएसएस केवल समाज सेवा का माध्यम नहीं, बल्कि व्यक्तित्व निर्माण की वह कार्यशाला है जहां साधारण स्वयंसेवक असाधारण नायक बनते हैं। उन्होंने बेटियों की सफलता को महाविद्यालय और जिले के लिए एक ऐतिहासिक उपलब्धि बताया। इस अवसर पर एनएसएस की दैनिक एवं विशेष गतिविधियों में सक्रियता के साथ जिले का नाम रोशन करने वाली लक्ष्मी पुष्पद, कौशल्या पुष्पद, पिंकी मेवाड़ा एवं हर्षिता पाटीदार को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन लक्ष्मी पुष्पद ने किया व आभार डॉ। श्वेता चौहान ने माना। कार्यक्रम में डॉ. अनिता यादव, प्रो. प्रिया जोशी सहित समस्त स्टाफ सदस्य, एनएसएस मीडिया प्रभारी सुरेश कुमार चौरडिया व बढ़ी संख्या में स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

आधुनिक खेती में अहम भूमिका निभा रही 'ड्रोन सखी रीना'

सोयतकलां। आगर जिले के ग्राम थडोदा की रीना चंदेल आज ग्रामीण महिलाओं के लिए प्रेरणा का उदाहरण बन गई हैं। आजीविका मिशन के माध्यम से नाफेड के समन्वय से उन्हें राज्य स्तर पर ड्रोन संचालन का प्रशिक्षण दिया गया और ड्रोन उपलब्ध कराया गया।

प्रशिक्षण के बाद रीना ने इस अवसर का पूरा लाभ उठाते हुए जिले में आधुनिक कृषि तकनीक को किसानों तक पहुंचाने का कार्य शुरू किया। रीना स्वयं ड्रोन का संचालन करती हैं, खेतों में स्प्रे करने के लिए वह ड्रोन को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाती हैं, जिसमें उनके पति भी उनका सहयोग करते है। खरीफ

सीजन में रीना ने 42 किसानों की लगभग 121 एकड़ जमीन पर ड्रोन के माध्यम से स्प्रे किया और इसके लिए 500 रुपये प्रति एकड़ शुल्क लिया। वहीं रबी सीजन में उन्होंने 56 किसानों की लगभग 156 एकड़ जमीन पर ड्रोन स्प्रे कर आधुनिक खेती की दिशा में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

रीना की कृषि कार्यों में सक्रियता और समर्पण को देखते हुए कृषि विभाग ने उन्हें कृषि सखी के रूप में भी जिम्मेदारी दी है। जिला स्तरीय प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद सितंबर माह से रीना समूह की महिलाओं और किसानों को आधुनिक कृषि तकनीकों की जानकारी भी दे रही हैं। इसके लिए उन्हें विभाग की ओर से प्रतिमाह 5 हजार रुपये का मानदेय भी प्राप्त हो रहा है। रीना चंदेल की यह सफलता न केवल उनकी मेहनत और लगन की कहानी है, बल्कि यह ग्रामीण महिलाओं के आत्मनिर्भर बनने की प्रेरक मिसाल भी है। अब वह अन्य महिलाओं और किसानों को भी नई तकनीक अपनाने के लिए प्रेरित कर रही हैं और अपने गांव के साथ-साथ पूरे जिले के विकास में योगदान दे रही रही हैं।

मेहनत, लगन और समूह के सहयोग से सुनीता ने बनाई नई पहचान

शाजापुर। ग्रामीण आजीविका मिशन के तहत स्व सहायता समूहों से जुड़कर महिलाएं आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम कर रही है। शाजापुर जिले के ग्राम चकजीयाजीपुर की रहने वाली श्रीमती सुनीता जाटव जिन्होंने समूह से जुड़कर न केवल अपनी आर्थिक स्थिति सुधारी बल्कि समाज में भी सम्मान प्राप्त किया।

सुनीता पति जगदीश जाटव कहती है कि ग्राम में आयोजित एक समूह बैठक के दौरान ग्राम प्रभारी मनोज पाठक द्वारा आसपास की महिलाओं को भी बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया। बैठक में स्व सहायता समूह से जुड़ने के फायदे बताए गए तथा समूह से जुड़ी महिलाओं ने अपने अनुभव साझा किए। उसी समय वहां मौजूद सुनीता जो उस समय किसी समूह से नहीं जुड़ी थीं, ने भी इन अनुभवों से प्रेरित होकर समूह से जुड़ने का निर्णय लिया। इसके बाद सुनीता ने अन्य महिलाओं को साथ लेकर गणेश समूह का गठन किया और कुछ नया करने की ठान ली। समूह से जुड़ने के बाद सुनीता ने समूह से 10 हजार रुपये का ऋण लेकर किराना एवं चूड़ी मनिहारी की दुकान शुरू की। इसके पश्चात उन्होंने सीआईएफ मद से 30 हजार रुपये का ऋण लेकर अपने मझले पुत्र को टी स्टॉल की दुकान शुरू करवायी, जिससे परिवार की आय में सहारा मिला। जब यह ऋण चुकता हो गया तो बैंक से समूह को 3

लाख 50 हजार रुपये का ऋण प्राप्त हुआ, जिसमें से सुनीता ने 55 हजार रुपये का ऋण लिया। साथ ही अपने पास से 40 हजार रुपये जोड़कर कुल 1 लाख 5 हजार रुपये में कृषि उपकरण क्रय किए। इससे उनके परिवार की वार्षिक आय लगभग 2 से 2 ।5 लाख रुपये तक पहुंच गई।

चोरी की बाइक बरामद, दो आरोपी गिरफ्तार

सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर तंत्र की मदद से पुलिस को मिली सफलता

शुजालपुर। शुजालपुर सिटी पुलिस ने बाइक चोरी के मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से करीब 40 हजार रुपए कीमत की बाइक बरामद की है।

पुलिस के अनुसार फरियादी मोतीलाल उर्फ राकेश पिता बाबूलाल रजक ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 21 फरवरी की रात सोभाग्य पैलेस के सामने पचोर रोड से उसकी बाइक बदमाश चोरी कर ले गए। प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक यशपाल सिंह राजपूत, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक घनश्याम मालवीय तथा एसडीओपी निमेष देशमुख के मार्गदर्शन में थाना प्रभारी प्रवीण कुमार पाठक के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई, टीम ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले और मुखबिर तंत्र को सक्रिय किया। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्धों की पहचान कर बनवारी उर्फ बल्लू

पिता बद्रीलाल सेन 32 वर्ष निवासी ग्राम जरखी थाना सुन्दरसी तथा कुलदीप उर्फ अन्नू पिता नारायण मालवीय 20 वर्ष निवासी ग्राम मकौड़ी थाना सुन्दरसी को गिरफ्तार किया। आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई बाइक बरामद की गई। बताया जाता है कि पकडे गए आरोपी आदतन बदमाश और पूर्व में भी चोरी की वारदात को अंजाम दे चुके हैं। पुलिस आरोपियों से अन्य वाहन चोरी की घटनाओं के संबंध में भी पूछताछ कर रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी प्रवीण कुमार पाठक, सहायक उपनिरीक्षक रामकेश्वर भगत, प्रधान आरक्षक महेश धपानी, आरक्षक योगेन्द्र सिंह, आरक्षक रामबाबू सिसोदिया, आरक्षक राहुल सांधिया एवं आरक्षक रामबाबू तंवर की सराहनीय भूमिका रही।

रंगपंचमी पर्व के चलते सिटी और मंडी में निकलेगी गेर

शुजालपुर। नगर सहित क्षेत्र में रंग पंचमी का पर्व गुरूवार को हर्षोल्लास से मनाया जाएगा। इस पर्व के चलते सिटी व मंडी दोनों ही क्षेत्र में गैर का आयोजन होगा। उल्लेखनीय है कि नगर में धुलेंडी की अपेक्षा रंगपंचमी पर रंगों की बौछार अधिक होती है। गुरूवार की सुबह 9 बजे शासकीय महाविद्यालय मैदान पर होली के रंग मित्रों के संग कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा।

एक नजर में — बेरछा मंडी में गुरुदेव के मंगल प्रवेश से शुरू हुआ प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव

गुरु के प्रति समर्पण भाव जीवन को बनाता हैं सार्थक...

शाजापुर। वर्षों से था जिसका इंतजार वो शुभ घड़ी आ गई, बेरछा गांव रोड पर स्थित नवनिर्मित श्री संभवनाथ नाकोड़ा जैन मंदिर जिसकी प्रतिष्ठा महोत्सव दिनांक 11 मार्च से 15 मार्च तक पंचदिवसीय महोत्सव के रूप में मनाई जाएगी।

इसका मंगल शुभारंभ आज जन जन की आस्था के केंद्र गुरूदेव परम पूज्य श्री नवरत्नसागर सूरीश्वर जी महाराज एवं उनके परम कृपा पात्र आचार्य भगवंत श्रीअपूर्वमंगल रत्न सागर जी महाराज के आशीर्वाद से उनके शिष्य बंधु त्रिपाठी पपू आचार्य श्री आगमरत्न सागर जी, आचार्य श्री प्रशमरत्न सागर और वज्ररत्न सागर जी के मंगल प्रवेश से शुभारंभ हुआ। गुरुदेव के साथ ही साध्वी जी श्री स्वर्णज्योती श्री जी महाराज साहब आदि ठाणा का आशीर्वाद भी पूरे सकल श्री संघ को मिला।

गुरुदेव के प्रवेश को पूरे सकल श्री संघ द्वारा बहुत ही उत्साह से उनका स्वागत किया। वरघोड़ा में महिला मंडल, बालिका मंडल, बहू मंडल तथा पूरे समाज जन के साथ ढोल, नगाड़े, बग्गी एवं पूरे हर्षोल्लास के साथ बेरछा गांव स्थित जैन मंदिर से प्रारंभ होकर पूरे नगर के प्रमुख मार्गो से होते हुए नवनिर्मित श्री संभवनाथ नाकोड़ा जैन मंदिर पर समापन किया गया।

इस अवसर पर पपु संत श्री आचार्य वज्ररत्न सागर जी महाराज साहब ने कहा की बेरछा वासियों के प्रेम ने भव्यातिभव्य ऐतिहासिक महोत्सव में बुलाया है।कोई भी शुभ कार्य गुरु की कृपा से ही सफल होता है अत:जीवन में गुरु की प्रेरणा बनी रहना चाहिए। गुरु के प्रति समर्पण भक्ति भाव जीवन को सार्थक बनाता है, बेरछा मे मंदिर नहीं तीर्थ स्थल होगा, रात्रि भोजन का त्याग करें।

नगर में निकला भव्य चल समारोह...

गुरुदेव के मंगल प्रवेश के साथ सभी भगवान की प्रतिमाएं जो नवनिर्मित संभवनाथ मंदिर में प्रतिष्ठित होगी वो सभी प्रतिमाओं की पूजन कर उन्हें बग्गी में विराजमान कर पूरे नगर में जुलूस निकाला गया। आज के नवकारसी के लाभार्थी प्रदीप कुमार अरुण कुमार जैन परिवार द्वारा तथा सुबह के स्वामिवात्सल्य के लाभार्थी राजेंद्रकुमार जैन अध्यापक परिवार की और से लाभ लिया गया। इसी कड़ी में शाम के स्वामिवत्सालय के लाभार्थी डॉ। रमेशचंद्र जैन जमोड़ी वाले की और से लिया गया। दिनांक 11 मार्च से 15 मार्च तक होने वाली प्रतिष्ठा में मुख्य रूप से विशिष्ट विधिकारक मनोजकुमार बाबूलाल जी हरण के मार्गदर्शन में प्रतिष्ठा महोत्सव का विधिविधान से आयोजन किया जाएगा। पूरे कार्यक्रम का आयोजन अपूर्वमंगल जैन श्वेतांबर ट्रस्ट द्वारा एवं सकल श्री संघ बेरछा के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है।